ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:24.09.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-09-24 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	25/09/2024	26/09/2024	27/09/2024	28/09/2024	29/09/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	15.0	4.0	3.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	35.0	34.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	23.0	23.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	75	85	90	75	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	35	40	45	35	30
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	4	3	4	5	4
पवन दिशा (डिग्री)	340	20	90	140	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	4	8	5	3

समसारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (17 से 23 सितंबर) क्षेत्र में 0 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.0 से 34.0oC और 24.3 से 25.5oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 84-93% और 62-77% के बीच रही, जबकि हवा उत्तर, उत्तर-पूर्व, उत्तर-पूर्व-उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व से 0.6-5.3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन मौसम साफ रहा। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 24-28 सितंबर के बीच 3-15 मिमी की हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.0-36.0oC और 22.0-24.0oC रहने की उम्मीद है। 26-28 सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 26 और 27 सितंबर को कुछ स्थानों पर बिजली चमकने के साथ गरज के साथ तूफान आने/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश होने की पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.30-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 20.09.2024 से 26.09.2024 के दौरान वर्षा में बड़ी कमी, तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, पीली चेतावनी के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	प्रजनन अवस्था	रोगों और कीटों के विरुद्ध छिड़काव संस्तुति तथा पूर्वानुमान के अनुसार किया जाना चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	लाल सड़न से प्रभावित गन्ने को निकालकर जला देना चाहिए ताकि आगे इसका फैलाव न हो। संक्रमित गन्ने को पूरी तरह नष्ट करना और उपचारित बीजों का उपयोग सबसे अच्छा निवारक उपाय है। सफेद ग्रब के संक्रमण की स्थिति में फिप्रोनिल 40 प्रतिशत और इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्ल्यूजी @200 ग्राम / एकड़ को 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में डालना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार छिड़काव का समय निर्धारित करना चाहिए। शरदकालीन गन्ने की बुवाई कार्बेन्डाजिम 50% डब्ल्यूपी @0.1% घोल से 10 मिनट तक उपचारित गन्ने के बीज के साथ करनी चाहिए। शरदकालीन बुवाई के लिए गन्ने के डंठल के निचले 2/3 भाग का उपयोग किया जाता है। बुवाई पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करनी चाहिए।
मक्का	वानस्पतिक	फ़ॉल आर्मी वार्म के हमले की स्थिति में क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी 0.4 मिली / लीटर की दर से पानी में डालना चाहिए, जबकि ब्लाइट (पीले या भूरे रंग के अंडे के आकार के धब्बे) होने पर मैन्कोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्ल्यूपी 1.5 -2.0 किलोग्राम 750-800 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से डालना चाहिए। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए। मक्का की अगेती किस्मों की कटाई पकने पर करनी चाहिए और सभी खेती की गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करनी चाहिए।
मूंग/उर्द	वानस्पतिक	सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए तथा रासायनिक प्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
सोयाबीन	फली विकास	फूल एवं फलियाँ बनने पर आवश्यकतानुसार नमी बनाए रखी जानी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए तथा रासायनिक प्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
मूंगफली	वानस्पतिक / पेगिंग	टिक्का रोग के उपचार हेतु खड़ी फसल पर क्लोरोथेनोनिल 2 कि.ग्रा./ मैंकोजेब 80% 2 कि.ग्रा./ प्रोपिकोनाज़ोले 25 ई.सी. 500 मि. ली. मात्रा 800 से 1000 ली. पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से 2-3 छिड़काव 10-12 दिन के अंतराल पे करें।खूटियां या फलिया बनने पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें और नमी बनाये रखें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फूलगोभी	रोपाई	रोपाई के चार से छः सप्ताह बाद हल्की गुड़ाई कर जड़ों पर मीट्टी चढ़ाना चाहिए। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए फ्लूक्लोरोलिन की 1.0 कि. ग्रा. सक्रिय अंश प्रति हैक्टर की दर से पौध रोपण के एक दिन पूर्व करना चाहिए। सभी छिड़काव पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही किये जाने चाहिए।
मूली	अंकुरण	मूली की फसल में सिंचाई पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करनी चाहिए।
गाजर	अंकुरण	अंकुरण के बाद नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा पौधे से पौधे की दूरी 6-10 सेमी रखनी चाहिए। पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए खेती की गतिविधियाँ शुरू की जानी चाहिए।

चुकंदर	अंकुरण	सिंचाई का उपयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
पालक	अंकुरण	सिंचाई पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गोवत्स के पैदा होने के 15 दिन के उपरांत कैल्शियम, मैगनीशियम, फॉस्फोरस , जिंक , आयरन , आयोडीन , कॉपर तत्वों को लवण मिश्रण अथवा मिनरल ड्राप के रूप में सेवन कराएं।
भैंस	फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए।
बकरी	ग्रामीण छेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटेनस टॉक्साईड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।